

रिसर्च प्रोजेक्ट में इंटरनशिप कराएगा एलयू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने रिसर्च प्रोजेक्ट में अब छात्रों को इंटरनशिप भी कराएगा। इससे विद्यार्थी को उनकी पसंद के क्षेत्र में शोध से जुड़ने के साथ ही नवीनतम जानकारी भी मिल सकेगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से मिलने वाले रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए पांच अनिवार्यता लागू की गई हैं। लविवि को इस साल विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से करीब 10 रिसर्च प्रोजेक्ट मिले हैं। प्रोजेक्ट के लिए मिली राशि से खरीदे गए उपकरण और प्रयोगशाला का उस विषय के अन्य शिक्षक तथा शोधार्थी भी उपयोग कर पाएंगे।

लविवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने शोध को समाज से जोड़ने के लिए यह पहल की है। इसके तहत शिक्षक को प्रोजेक्ट मिलने के समय पांच अनिवार्यताओं का पालन करने की सहमति देनी होती है। शिक्षक

**विज्ञान और प्रौद्योगिकी की
गाइडलाइन के बाद लविवि
ने शुरू की प्रक्रिया**



को प्रोजेक्ट के विषय से संबंधित लेक्चर कराने, प्रोजेक्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर का उस विषय से संबंधित शिक्षक तथा शोधार्थियों के उपयोग की सुविधा देने, समाज में विषय से संबंधित जागरूकता फैलाने, विषय पर कम से कम एक आर्टिकल प्रकाशित करने और विषय में इंटरनशिप या फिर पाठ्यक्रम की सुविधा शुरू करने की शर्त पर सहमति देनी होती है। इसलिए लविवि अपने यहां के प्रोजेक्ट में विद्यार्थियों को इंटरनशिप की सुविधा देगा।

**पीजी में इंटरनशिप
अनिवार्य कर रहा एलयू**

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने यहां परास्नातक स्तर पर सीबीसीएस प्रणाली लागू कर रहा है। इस प्रणाली की वजह से लविवि में सिलेबस बदला जा रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पीजी के तीसरे सेमेस्टर में इंटरनशिप की अनिवार्यता की बात भी कही है। प्रोजेक्ट में इंटरनशिप की सुविधा होने से विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी।

सीखने को मिलेगा

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के निर्देश के अनुसार प्रोजेक्ट में विद्यार्थियों को इंटरनशिप करानी है। लविवि इसका पालन करते हुए प्रोजेक्ट में इंटरनशिप की सुविधा देगा। इससे विद्यार्थियों को काफी सीखने को मिलेगा।

- प्रो. पूनम टंडन,

अधिष्ठाता छात्र कल्याण, लविवि